राजस्व कर्मचारी बैठे धरने पर, तहसील व पटवार कार्यालय मे काम काज रहा बाधित

अतिक्रमण की रिपोर्ट बना कर देने पर पटवारी को जान से मारने की धमकी मिली

राजस्व कार्मिकों ने धमकी देने के विरोध में प्रदर्शन किया।

■ राजस्व सेवा परिषद की ओर से पैन डाउन हड़ताल कर तहसील कार्यालय के सामने नारेबाजी कीं गई

खेतड़ी, (निसं)। अतिक्रमण की रिपोर्ट बना कर देने पर पटवारी को जान से मारने की धमकी व गाली-गलौज के मामले ने तूल पकड लिया है।

सोमवार को राजस्व सेवा परिषद की ओर से पैन डाउन हड़ताल कर तहसील कार्यालय के सामने नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से तहसील व पटवार कार्यालयों में कामकाज बाधित हो गया तथा अपने काम के लिए आने वाले लोग कार्यालयों के चक्कर लगाते रहे। धरने पर बैठे तहसीलदार विवेक कटारिया ने बताया कि हल्का पटवारी कालियासर व अलसीसर पटवारियों की टीम का गठन कर तहसीलदार ने सीमा ज्ञान करने के निर्देश दिए थे। जिस पर पटवारियों द्वारा मौका रिपोर्ट कर अवैध रूप से अतिक्रमण होना पाया। जिस पर आरोपी ईशाक मोहम्मद पंचायत भवन अलसीसर आया और पटवारी के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए रिपोर्ट फाड़ने की कोशिश की तथा जान से मारने की धमकी दी।

इस संबंध में अलसीसर पटवारी ने राजकार्य मे बाधा पहुंचाने व गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज करवाया था। थाने में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भी आरोपी पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। इस बात को लेकर जिलेभर के राजस्व कर्मचारियों ने तीन दिन पूर्व जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी तथा कार्यवाही नहीं होने पर सोमवार को हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी थी। आरोपी के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं होने पर तहसीलदार, गिरदावर, पटवारी व राजस्व सेवा परिषद के सभी कर्मचारियों ने नारेबाजी कर विरोध जताया व आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग करते हुए तहसील कार्यालय के आगे विरोध प्रदर्शन कर धरने पर बैठ गए। विरोध कर रहे राजस्व सेवा परिषद के कर्मचारियों ने पटवारी के साथ गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। इस मौके पर पटवारी सुमेर सिंह, पप्पू लाल गिरदावर, कानूनगो राजेश, अमित कुमार, सुनील ढाका, मुकेश कुमार, मदनलाल दौराता, सूरजमल सैनी, वीरेंद्र कुमार, सत्यवीर, रामस्वरूप सैनी, रिंकू सैनी सहित राजस्व सेवा परिषद के कर्मचारी मौजूद रहे।

चोरी करने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार

करीब दो दर्जन से अधिक वारदातों को दे चुके हैं अंजाम

भरतपुर में थाना उद्योग नगर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

■ साईलेन्सर के अन्दर लगी प्लेटिनियम मिट्टी की वास्तविक कीमत करीब 80 हजार रूपये है

■ चोरी करने के बाद करीब 10-15 हजार रूपये में बेच देते हैं

भरतपुर, (निसं)। थाना उद्योग नगर पुलिस ने ईको गाडी के साईलेन्सर को प्लेटिनियम मिट्‌टी के साथ चोरी करने वाली अन्तर्राज्यीय संगठित गैग के तीन सदस्य गिरफ्तार किए। आरोपियों ने करीब दो दर्जन से अधिक वारदातों को अंजाम दे चुके है। साइलेन्सर के अन्दर लगी प्लेटिनियम मिट्‌टी की वास्तविक कीमत करीब 80 हजार रूपए है चोरी करने के बाद करीब 10-15 हजार रूपए में बेच देते है।

एसपी श्याम सिंह ने बताया कि भरतपुर जिले में षांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने, समाज में भय पैदा करने वाले अपराधियों और सम्पत्ति सम्बन्धी प्रकरणों में फरार चल रहे हैं एवं असामाजिक तत्वों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु एक विषेश अभियान चलाया जा रहा है, उक्त अभियान को सफल बनाने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) भरतपुर चन्द्रप्रकाश शर्मा आरपीएस एवं सहायक पुलिस अधीक्षक वृत ग्रामीण भरतपुर बृजेश ज्योति उपाध्याय आईपीएस के सुपरविजन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये ईको गाडी के साईलेन्सर और उसके अन्दर लगी प्लेटिनियम मिट्‌टी को चोरी करने वाली संगठित गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुयी है।

एसपी श्याम सिंह ने बताया 15 मार्च को पुष्पेन्द्रकुमार पुत्र हिम्मतसिंह जाति जाट निवासी तुहिया थाना उद्योगनगर ने रिपोर्ट दर्ज करवायी कि 14 मार्च शाम करीब 6 बजे में बाहर आया था। मेरे पास ईको गाडी है।को मैंने अपने घर के सामने खडी की थी। आज सुबह करीब 7 एएम पर गाडी को बाहर जाने के लिए चालू किया तो उसकी आवाज विभिन्न प्रकार से आई मैंने देखा तो गाडी का साईलेन्सर नही था। साईलेन्सर को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। इसका पुलिस थाना उद्योगनगर भरतपुर पर मामला दर्ज किया गया।

एसपी ने बताया शहर भरतपुर और उसके आस-पास ईलाके से ईको गाडी से साईलेन्सर चोरी होने की कई वारदातें सामने आयी जिस पर एक विशेष टीम गठित की गई। टीम द्वारा इस प्रकार की वारदातों को अंजाम देने वाले आदतन अपराधी एवं पूर्व में चालानशुदा बदमाशानों पर निगरानी जारी रखी गयी। मुखबिर मामूर किये गये जिसपर मुखबिर खास ने बताया कि इस प्रकार की वारदातों को एक गैंग द्वारा अंजाम दिया जा रहा है, जो वारदात करने के बाद उसके माल को आगरा और अन्य शहरों में बेच देते हैं। जिनको चिन्हित किया जाकर उनकी तलाश की गई। विशेष टीम द्वारा कडी से कडी जोडते हुये अथक प्रयास कर ईको गाडी से लाईसेन्सर चोरी करने वाली गैंग के दो सदस्यों सस्पेन्द्र कुमार व विकाससिंह को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार किये गये सस्पेन्द्रकुमार एवं विकाससिंह ने पूछताछ पर बताया कि हमने अपनी गैंग के सदस्यों के साथ शहर भरतपुर और उसके आस-पास के इलाके एवं उत्तरप्रदेश इलाके से इसप्रकार ईको गाडी से उसके साईलेन्सर और उसके अन्दर लगी रहने वाली प्लेटिनियम मिट्‌टी की करीब दो दर्जन से अधिक वारदातें की जा चुकी हैं। पूछताछ पर बताया कि हम ईको गाडी को किराये पर कर लेते हैं और उसके ड्राईवर को रास्ते में खाना खिलाने, चाय-पानी पिलाने, नाश्ता कराने या अन्य प्रकार की बातों में लगाकर गाडी से थोडी दूरी पर ले जाते हैं और गाडी पर एक-दो व्यक्ति रूक जाते हैं वह पीछे से गाडी के साईलेन्सर को खोल लेते हैं और उसके स्थान पर अपने साथ पूर्व से रखे हुये साईलेन्सर को लगा देते हैं। ड्राईवर को इसके बारे में पता नही चलता है। उसके बाद यह गैंग उस साईलेन्सर में से प्लेटिनियम मिट्‌टी को निकाल लेती है और अपनी गैंग के सदस्य पप्पू खान निवासी आगरा को 10-15 हजार रूपये में बेच देते हैं। पप्पू खान की तलाश कर उसको गिरफ्तार किया गया। ईको गाडी से चुराये गये प्लेटिनियम मिटटी की बरामदगी की गई। पप्पू खान से पूछताछ की गई तो अपनी गैंग के अन्य सदस्य पानीपत (हरियाणा) निवासी एक व्यक्ति को ईको गाडी के साईलेन्सर के अन्दर की प्लेटिनियम मिट्‌टी को कई बार बेचना बताया है। इस प्रकार उक्त बदमाशों द्वारा एक संगठित गैंग बनायी जाकर ऐसी वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। जिनके द्वारा करीब दो दर्जन से अधिक वारदातों को अंजाम दिया जा चुका है। गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। इस मामले में पुलिस ने सस्पेन्द्र कुमार पुत्र बाबूलाल जाति जाट उम्र 31 साल निवासी नरायना कटता थाना सदर डीग हाल हनुमानजी मन्दिर के सामने वाली गली बृज बिहार कोलोनी भरतपुर थाना मथुरागेट भरतपुर। पूर्व में भी ईको गाडी के साईलेन्सर चोरी करने के मामले में गिरफ्तार हो चुका है।

देखरेख के अभाव में उजड़ा सार्वजनिक पार्क

बदहाल हालत में सुभाष चौक स्थित एजे खत्री सार्वजनिक पार्क।

■ सुभाष चौक स्थित पार्क की अव्यवस्था का मामला

झुंझुनूं, (निसं)। जिले की मंडावा नगरपालिका पार्षद सपना शर्मा व भाजपा मीडिया प्रभारी संदीप शर्मा ने मंडावा चेयरमैन व ईओ को पत्र भेजकर सुभाष चौक स्थित पार्क की व्यवस्था को दुरूस्त करवाने का आग्रह किया है।

पत्र में उल्लेख किया है कि कस्बे का हृदय स्थल सुभाष चौक के पास एजे खत्री सार्वजनिक पार्क इन दिनों देखरेख के अभाव में दुर्दशा का कारण बना हुआ है। तत्कालीन भाजपा नगरपालिका बोर्ड द्वारा दो वर्ष पूर्व लाखों रूपए की लागत से सार्वजनिक पार्क में बैठने की व्यवस्था, टीन शैड, लाइट, पंखे सहित अन्य सुविधाएं करवाई गई थी। असामाजिक तत्वों ने पार्क में लगी कुर्सियां व पंखे को तोड़ दिए। दरवाजा बंद नहीं होने से पशुओं का पार्क में जमावड़ा होने लगा है। जगह-जगह लगे हैं कचरे के ढेर। ये दयनीय स्थिति हैं नगर पालिका की ओर से उपेक्षा का शिकार हो रहा है यह सार्वजनिक पार्क। तपती गर्मी में राहगीरों के सुस्ताने का ठिकाना ये पार्क ही होते हैं, मगर कोई एक भी पार्क नहीं जो इस तन झुलसाने वाली गर्मी में शहरवासियों को पलभर का सुकून दे सकें। इस पार्क की स्थिति में कोई सुधार नहीं देखा जा रहा है। नगर पालिका प्रशासन की निगरानी में यह सार्वजनिक पार्क है लेकिन इस पार्क की सुध लेने वाला कोई नहीं है।

भींडर ब्लॉक में पीडब्ल्यूडी विभाग की सड़कों की बदहाली

■ पहली तेज बारिश भी नहीं झेल पाई करोड़ों की सड़क

कानोड़, (निसं)। भींडर ब्लाक के अंतर्गत पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा करोड़ों की लागत से नवनिर्मित सड़कें पहली तेज बारिश में उखड़ने लगी है, करोड़ों रुपए खर्च किए जाने के बाद भी सड़कों की इस बदहाली को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है।

बीते दिनों अकोला ग्राम पंचायत के सुरखण्ड, समेल, पीपल वास स्कूल तक लगभग 13 किलोमीटर अलग-अलग हिस्सों में निर्मित सड़के जो करीब 3 करोड़ से अधिक राशि खर्च कर बनाई गई है। पीपलवास से सुरखंड बलीचा सड़क मार्ग पर सड़कों का निर्माण हुआ है । पहली तेज बारिश में इन सड़कों से कंक्रीट में निकल गई है, कलालो की छतरी से लेकर पीपल वास स्कूल तक बनी सड़क पर बीते एक माह पहले डामर बिछाया था वह सड़क जगह जगह से जमीन में धंस जाने से सड़क पर दरारें आ गई है, इसी सड़क मार्ग पर एक जगह तो हाल यह है कि सड़क बचाने के लिए सड़क पर कटीली झाड़ियां डालनी पडी है। ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि लाखों-करोड़ों की लागत से बनने वाली इन सड़कों को लेकर विभाग अधिकारी इतने उदासीन कैसे हो सकते हैं , जिन्होंने सड़क के निर्माण के समय इसकी गुणवत्ता को क्यों नहीं जांचा गया, अगर समय रहते सड़क निर्माण के समय विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने सड़कों की सुध ली होती तो आज यह हाल नहीं होते। स्थानीय लोगों ने सड़क को सुधारने के साथ ही विभाग द्वारा किए गए सड़क निर्माण के कार्य का उच्चस्तरीय टीम से जांच करवाने की मांग की है। पीडब्ल्यूडी विभाग के ठेकेदार ने पानी की निकासी मार्ग पर केवल पाइप डालकर उस पर रेलिंग मुड्डों का निर्माण करना था लेकिन अभी तक यह कार्य नहीं किया गया।

मांगीलाल साहू, ठेकेदार चिराग कंस्ट्रक्शन का कहना है कि मैं कहीं बाहर हूं मेरी जानकारी में नहीं है कि सड़क टूटी है ,मैंने कहीं पर भी कटीली झाड़ियां नहीं डलवाई पता करवाता हूं ।

अंछाई देवी चौधरी , सरपंच ग्राम पंचायत अकोला का कहना है कि मेरी ग्राम पंचायत में पीडब्ल्यूडी ने नई सड़कों का निर्माण करवाया है, मैंने मौके पर जाकर स्थिति नहीं देखी है ।जल्द ही सड़कों को देखूंगी, अगर गलत कार्य हुआ है तो उच्चाधिकारियों को लिखा जाएगा।

अंचल गुप्ता अधीशाषी अभियंता पीडब्ल्यूडी विभाग का कहना है कि सड़क का कार्य प्रगति पर है, मैं सहायक अभियंता को फोन कर काम दिखवाता हूं।

करौली जिला स्थापना दिवस के अवसर पर रनगवां ताल पर जिला स्तरीय अधिकारी और कर्मचारियों ने दीपदान किया।

झालावाड़ मैडिकल कॉलेज पहुंचा देहदान

कोटा, (निसं)। शाइन इंडिया फाउंडेशन द्वारा आज पुनः 80 किलोमीटर दूर कोटा से एक पुण्यात्मा का देहदान एसआरजी मेडिकल कॉलेज, झालावाड़ को प्राप्त हुआ है। इस तरह से 9 महीने में, झालावाड़ का यह चौथा देहदान है।

इससे पूर्व भी शाइन इंडिया फाउंडेशन द्वारा 150 किलोमीटर की यात्रा करने के उपरांत बारां जिले समरानीया कस्बे, निवासी कमला बाई का देहदान झालावाड़ मेडिकल कॉलेज को प्राप्त हुआ था। संभाग में देहदान के लिए कटिबद्ध संस्था को शास्त्री नगर निवासी रघुनंदन सिंह पोखर की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई, परिजन चाहते थे कि, पिता की अंतिम इच्छा, नेत्रदान और देहदान का कार्य सम्भव हो सके ।

बेटे वीरेश कुमार और अनुराग सिंह ने परिवार के अन्य सदस्यों से सहमति लेने के उपरांत, शाइन इंडिया को नेत्र-देहदान कार्य सम्पन्न करवाने के संपर्क किया। संस्था सदस्यों को सूचना मिलते ही, सर्वप्रथम रघुनंदन का नेत्रदान संपन्न कराया, उसके उपरांत डॉ कुलवंत गौड़ ने परिजनों से अनुरोध किया कि, झालावाड़ मेडिकल कॉलेज में शिक्षा प्राप्त कर रहे, बच्चों के पास में अध्ययन करने के लिए मृतदेह नहीं है, यदि परिजन सहमति देते हैं, तो हम अपने खर्चे पर एंबुलेंस लेकर रघुनंदन के पार्थिव शव को मेडिकल कॉलेज झालावाड़ को दान कर सकते हैं, जिससे भावी चिकित्सकों को अध्ययन करने के लिए मृत देह प्राप्त हो सकेगी।

80 किलोमीटर दूर जाकर देहदान की बात को लेकर सबसे पहले परिजन असमंजस में पड़ गये, परंतु पुनः समझाईश करने के बाद बहु युगल सिंह, गौरी सिंह, दीक्षा चौहान व पौत्र ऐश्वर्य, बेटी रिद्धिमा सिंह ने परिवार के अन्य सदस्यों को, झालावाड़ जाकर देहदान करने के लिये राजी कर लिया।

सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा 25 व 26 अगस्त को

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग, ब्रॉड एवं सुपर स्पेशियलि टी) भर्ती 2021 के 14 विषयों की संवीक्षा परीक्षा का आगामी 25 एवं 26 अगस्त को अजमेर जिला मुख्यालय पर आयोजित होगी। आयोग द्वारा परीक्षा में अभ्यर्थियों को ऑनलाइन संशोधन का अवसर दिया गया है। 18 से 27 जुलाई तक अभ्यर्थी ऑनल इन संशोधन करवा सकते हैं।

आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि 18 से 27 जुलाई तक अभ्यर्थी नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि, जेंडर व विषय के अतिरिक्त सभी प्रकार के संशोधन ऑनलाइन कर सकेंगे, लेकिन ऑफलाइन संशोधन स्वीकार नहीं किए जाएंगें। ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों के हितार्थ सुविधा मात्र है।

संशोधन चाहने वाले अभ्यर्थी को ई-मित्र/ऑनल इन बैंकिंग के माध्यम से 500 रुपए का शुल्क जमा कराना होगा। आयोग की उपलब्ध ऑनलाइन लिंक अथवा एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर संशोधन किया जा सकेगा।

कानपुरः गुजैनी थाना पुलिस का गुडवर्क सवालों के घेरे में?

■ गुजैनी थानाध्यक्ष ने लूट की तीन वारदातों का किया मेल

कानपुर, (निसं)। उत्तरप्रदेश के बड़े शहर कानपुर के गुजैनी थानाध्यक्ष का सामने आया बड़ा खेल! लूट की तीन वारदातों का किया शातिराना मेल! एक पीड़ित को वादी, दूसरे को गवाह और तीसरे को आरोपी बना भेज दिया जेल! अब सभी तथ्यों के मिलने पर खुल गया पुलिस का खेल!

जी हाँ? उपरोक्त पंक्तियाँ चरित्रार्थ हो रहीं हैं और महानगर के नव सृजित थाना क्षेत्र गुजैनी में बिगत दिनों एक ही रात्रि में घटित तीन घटनाओं को एक दिखाकर खुलासा किया गया है। इसकी पुष्टि पुलिस द्वारा किये गये नाटकीय खुलासे के स्वयं पात्र कर रहे हैं परिणामतः पुलिस द्वारा किये गये खुलासे पर सवालिया निसान लग रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कानपुर पुलिस कमिश्नरेट अन्तर्गत नवसृजित थाना गुजैनी क्षेत्र में बिगत 18/19 जून 2022 को गुजैनी नहर व हाइवे के पास एक ही रात में कुछेक मिनटों के अन्तराल पर लूट की तीन वारदातों को अंजाम दिया गया। किन्तु पुलिस ने ना जाने क्यों इतनी शीघ्रता दिखाई कि तीनों वारदातों को एक दिखा दिया और पहली घटना के पीड़ित को वादी मुकदमा, दूसरी घटना के पीड़ित को गवाह और तीसरी घटना के शिकायतकर्ता को आरोपी बनाकर जेल के सलाखों के पीछे भेज दिया?

पहली पहल तो दिखाई गई लूट की घटना व उस घटना के सम्बन्ध में तत्काल ही आरोपियों को गिरफ्तार कर माल बरामदगी दिखाकर अपनी पीठ थपथपाने वाली पुलिस की कहानी पर घटना के वादी और पुलिस द्वारा बनाये गये मौके के चश्मदीद गवाह ने स्वयं ही पुलिस के द्वारा तैयार की गई कहानी को फर्जी बताकर लूट के आरोपी को निर्दोष बता दिया था और वादी मुकदमा व चश्मदीद गवाह ने बताया था कि गुजैनी थाना पुलिस ने जिन आरोपियों को मुल्जिम बनाया था उसमें से एक आरोपी तो पूरी तरह से निर्दोष था और पुलिस की मनगढ्रंत कहानी पर सवालिया निसान लगाये थे किन्तु अब नया मोड़ उस समय तब आ गया जब जेल की सलाखों से बाहर निकल कर वारदात के आरोपी ने अपनी पीड़ा डीसीपी साउथ के समक्ष बयां कर न्याय की गुहार लगाई है और उसने कहा कि उसके साथ भी लूट हुई थी और यह शिकायत उसने पुलिस हेल्पलाइन नम्बर 112 पर की तो पुलिस के जवान उसे थाने ले आये और लूट करने का आरोपी बना दिया।

विदित हो कि 18/19 जून 2022 की रात्रि में घटित वारदात से सम्बन्धित आरोपियों में से एक को भाग जाना दिखाया गया जबकि तीन आरोपियों को जेल भेज दिया गया था। खास बात यह है कि जेल भेजे गये आरोपियों में से एक आरोपी को निर्दोष बताया जा रहा था। यह बात किसी और ने नहीं बल्कि, स्वयं मुकदमा वादी व पुलिस द्वारा मौके के दिखाये गये चश्मदीद गवाह ने पुलिस आयुक्त व माननीय अदालत में दिये गये शपथपत्रों के माध्यम से बताई थी। अब इस खुलासे में नया मोड़ आ गया है और जेल छूटे आरोपी राजन सिंह ने बताया कि उसके साथ भी लूट की गई थी जिसकी सूचना उसने 112 पर दी थी किन्तु उसकी कोई बात नहीं सुनी गई बल्कि पुलिस ने उसे आरोपी बनाकर जेल भेजकर उसका कैरियर खत्म कर दिया।

मुकदमा वादी गोविन्द ने बताया था कि जब मेरे साथ लूट की घटना घटित हुई थी उसी दौरान अम्बेडकर नगर निवासी राजन सिंह अपनी गाय को ढूडते हुए वहीं पर आ गया तो सूचना पर पहुंचे पुलिस वालों ने बिना कुछ पूंछतांछ किये व बिना सच्चाई जाने उसे भी पकड़ लिया और मुल्जिम बना दिया जबकि राजन सिंह का इन घटनाओं से कोई लेना-देना ही नहीं है। गोविन्द प्रसाद ने पुलिस पर गम्भीर आरोप लगाया कि सिर्फ गुडवर्क के चक्कर में थानाध्यक्ष रवि शंकर त्रिपाठी ने राजन सिंह को आरोपी बनाया था।

पुलिस द्वारा बनाये गये चश्मदीद गवाह मर्दनपुर निवासी ब्रजेश कुमार सैनी पुत्रश्री विशम्भर नाथ सैनी अर्थात दूसरी घटना का पीड़ित व्यक्ति ने बताया था कि रात्रि 11:40 बजे के लगभग नहर पुल पर पहले से घात लगाये बदमाशों ने मुझे मारपीट कर चोटिल कर दिया था और मेरी जेब से 1300 रुपये छीन लिये। मेरे द्वारा 112 पर सूचना देने के बाद मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने मेरे सहयोग से उनमें से दो लोगों को पकड़ लिया और थाने ले आये।

ब्रजेश कुमार सैनी के मुताबिक, जब मैं डाक्टरी करवाकर थाने पहुंचा था तो पहले से बन्द राजन को मेरे साथ घटित वारदात में शामिल कर दिया जबकि राजन का इस घटना से कोई लेना देना नहीं था। लूट व मारपीट में शामिल शातिर लोग गोविन्द नगर थाना क्षेत्र के गुजैनी के एच ब्लॉक मुहल्ले के रहने वाले हैं। ब्रजेश के मुताबिक उसका मोबाइल पुलिस ने जमा करवा लिया था और इसके बाद मनगढ्न्त कहानी बनाकर उसे राजन सिंह से बरामद दिखा दिया गया था। राजन पूरी तरह से निर्दोष है।

उपरोक्त प्रकरण में डीसीपी साउथ ने बताया कि पूरे मामले की जांच एसीपी गोविन्द नगर को सौंप दी है। जांचोपरान्त दोषियों पर कार्यवाई की जायेगी।

लूट का फर्जी खुलासा करने वाली टीम में गुजैनी थाना प्रभारी रवि शंकर त्रिपाठी, उप निरीक्षक राकेश दीक्षित, उप निरीक्षक अरुण कुमार सहित कई

एडमिट कार्ड नहीं मिलने पर अभ्यर्थियों ने रीट कार्यालय पर प्रदर्शन किया

रीट परीक्षा के अभ्यर्थियों ने रीट कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन कियाा

■ 23 व 24 जुलाई को होनी है रीट परीक्षा

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आगामी 23 व 24 जुलाई को आयोजित होने वाली प्रदेशस्तरीय रीट-2022 परीक्षा के हजारों की संख्या में अभ्यर्थियों ने सोमवार को रीट कार्याल य का घेराव कर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी करने की मांग की।

अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को देखते हुए बोर्ड सचिव मेघना चौधरी ने प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को भरोसा दिल ाया कि एडमिट कार्ड जल्द जारी कर दिए जाएंगे, जिसके बाद प्रदर्शनकारी अभ्यर्थी शांत हुए। अभ्यर्थियों द्वारा रीट कार्याल य के घेराव की सूचना पर मौके पर सिविल लाइन थाना पुलि स भी पहुंची। पुलिस ने भी अभ्यर्थियों से समझाइश की।

पुलि स ने अभ्यार्थियों से समझाइश की, ल ेकिन प्रदर्शनकारी अभ्यार्थी ने कहा कि वह बोर्ड अधिकारियों से जवाब लि ए बिना नहीं हटेंगे। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने बताया कि रीट परीक्षा का आयोजन 23 व 24 जुल ाई को किया जाना है। रीट-2022 में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों जिन्होंने अपने चालान सब्मिट कर दिए और फीस भी जमा करा दी लेकिन उन्हें अभी तक एडमिट कार्ड जारी नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि बोर्ड सचिव द्वारा 20 जुलाई को एडमिट कार्ड जारी होने का आश्वासन दिया ल ेकिन इसमें भी कुछ अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड को ले कर सशंय है, ऐसे में अभ्यर्थियों ने रीट कार्याल य पर पहुंचकर अपना विरोध जताया है।